RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

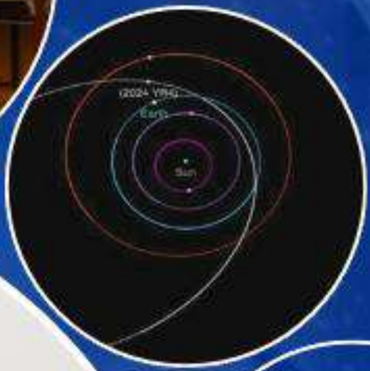

DATE
फरवरी
07
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

असम में विदेशी न्यायाधिकरण / Foreigners Tribunals in Assam

संदर्भ:
सुप्रीम कोर्ट ने **असम सरकार** को आदेश दिया है कि वह **डिटेंशन सेंटर** में रखे गए विदेशियों को देश से बाहर भेजे। इनमें से कुछ **10 साल से अधिक समय** से हिरासत में हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई:

- असम के मटिया ट्रांजिट कैंप में रखे गए **270 बंदियों** की स्थिति पर केंद्रित।
- विशेष रूप से **63 लोगों की निर्वासन प्रक्रिया** शुरू न करने पर राज्य सरकार की आलोचना।

सरकार का रुख:

- दिसंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार को **270 बंदियों** की हिरासत के कारण और निर्वासन प्रक्रिया पर हलफनामा दाखिल करने का समय दिया था।
- **63 लोगों** के पते अज्ञात होने के कारण निर्वासन में देरी।

मटिया कैंप में बंदी कौन हैं?

- **270 कैदियों में दो श्रेणियाँ:**
    - **विदेशी कानूनों के उल्लंघन पर दोषी ठहराए गए लोग:**
        - 103 रोहिंग्या, 32 चिन समुदाय के लोग, और 1 व्यक्ति सेनेगल से।
        - सजा पूरी करने के बाद ट्रांजिट कैंप में रखा गया।
    - **असम के विदेशी न्यायाधिकरण (Foreigners Tribunals) द्वारा "विदेशी" घोषित लोग:**
        - 133 लोग संदिग्ध नागरिकता के कारण न्यायाधिकरण के निर्णय के तहत कैद।
        - इनमें कुछ सीमा पुलिस द्वारा संदिग्ध घोषित और कुछ संदिग्ध मतदाता (Doubtful Voter) सूची में शामिल।

असम में विदेशी न्यायाधिकरण (Foreigners Tribunals - FTs) के बारे में:

1. **परिचय:** अर्ध-न्यायिक निकाय जो असम में अवैध प्रवासियों के मामलों का निपटारा करते हैं।
2. **कानूनी आधार:**
    - विदेशी (न्यायाधिकरण) आदेश, 1964 के तहत स्थापित।
    - इसका अधिकार विदेशी अधिनियम, 1946 से प्राप्त होता है।
3. **मुख्य कार्य:** नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स (NRC) से बाहर छूटे व्यक्तियों के मामलों का निपटारा।
    - लगभग 19.06 लाख लोगों से जुड़े मामलों की समीक्षा करना।

संरचना और कार्यप्रणाली:

संरचना (Structure of FTs):

संख्या: असम में वर्तमान में लगभग 100 विदेशी न्यायाधिकरण कार्यरत।

संरचना:

- प्रत्येक न्यायाधिकरण का नेतृत्व न्यायिक या कानूनी अनुभव रखने वाले सदस्य (जज या अधिवक्ता) करते हैं।
- सदस्यों की नियुक्ति सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार की जाती है।

मामलों का संदर्भ (Referral Process):

- जिला मजिस्ट्रेट (DM) मामले संदर्भित कर सकते हैं।
- संदिग्ध मतदाताओं (Doubtful Voters - D Voters) को नोटिस देकर ट्रिब्यूनल में बुलाया जाता है।
- सीमा पुलिस (Border Police) द्वारा संदिग्ध अवैध प्रवासियों से संबंधित मामले भेजे जाते हैं।

विदेशी न्यायाधिकरण की कार्यप्रणाली (Functioning of FTs):

नागरिक न्यायालय जैसी शक्तियाँ:

- गवाहों को बुलाने, शपथ पर बयान लेने और दस्तावेज़ मांगने की शक्ति।
- 1964 आदेश के अनुसार, FT को सिविल कोर्ट जैसी शक्तियाँ प्राप्त हैं।

नोटिस और जवाबदेही:

- संदिग्ध व्यक्ति को 10 दिनों के भीतर नोटिस जारी किया जाता है (अंग्रेज़ी या राज्य की आधिकारिक भाषा में)।
- 10 दिन में जवाब देना अनिवार्य, फिर अगले 10 दिनों में सबूत प्रस्तुत करना आवश्यक।

निर्णय का समयसीमा: FT को 60 दिनों के भीतर मामला निपटाने का प्रावधान।

नागरिकता साबित करने की जिम्मेदारी (Burden of Proof):

- विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत, नागरिकता साबित करने की जिम्मेदारी संदिग्ध व्यक्ति पर होती है।
- अगर वह अदालत में उपस्थित नहीं होता, तो उसे राज्य द्वारा विदेशी घोषित कर दिया जाता है, बिना किसी अतिरिक्त प्रमाण की आवश्यकता के।

निर्वासन (Deportation) प्रक्रिया: यदि व्यक्ति अपनी नागरिकता साबित नहीं कर पाता, तो FT उसे डिटेंशन सेंटर (अब ट्रांजिट कैंप) भेज सकता है, जहाँ से बाद में उसे निर्वासित किया जा सकता है।

YR4 क्षुद्रग्रह / YR4 asteroids

संदर्भ:

नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी 2024 **YR4 क्षुद्रग्रह** की निगरानी कर रहे हैं, जिसकी **22 दिसंबर 2032** को पृथ्वी से टकराने की **1.2% संभावना** है।

- नासा के नियर-अर्थ ऑ जेक्ट स्टडीज सेंटर के निदेशक ने कहा कि **99%** संभावना है कि यह पृथ्वी से नहीं टकराएगा, लेकिन इस पर ध्यान देना जरूरी है। आगे के अध्ययन से टकराव की संभावना को और स्पष्ट किया जाएगा।

ऐस्टेरॉयड 2024 YR4 के बारे में:

1. **खोज: दिसंबर 2024** में पहली बार **चिली में एक टेलीस्कोप** द्वारा खोजा गया।
2. **विशेषताएँ:**
   - **40 से 100 मीटर व्यास** वाला एक निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह (Near-Earth Asteroid)।
3. **पृथ्वी के निकटतम दृष्टिकोण:**
   - **दिसंबर 2024 में पृथ्वी** के सबसे करीब आया।
   - **लगभग 800,000 किमी की दूरी से गुजरा** (जो चंद्रमा से पृथ्वी की दूरी का लगभग दोगुना है)।
4. **अध्ययन और भविष्यवाणी:**
   - वैज्ञानिक **सबसे शक्तिशाली टेलीस्कोप** का उपयोग करके **2024 YR4 की कक्षा (Orbit) और आकार** का निर्धारण कर रहे हैं, इससे पहले कि यह बहुत धुंधला हो जाए।
5. **खगोलीय इकाई (AU):**
   - **1 AU ≈ 93 मिलियन मील** (सूर्य और पृथ्वी के बीच की औसत दूरी)।
6. **निकट-पृथ्वी वस्तुएँ (NEO - Near Earth Objects):**
   - जो क्षुद्रग्रह 1.3 AU के भीतर सूर्य के आसपास यात्रा करते हैं, उन्हें निकट-पृथ्वी वस्तु (NEO) कहा जाता है।

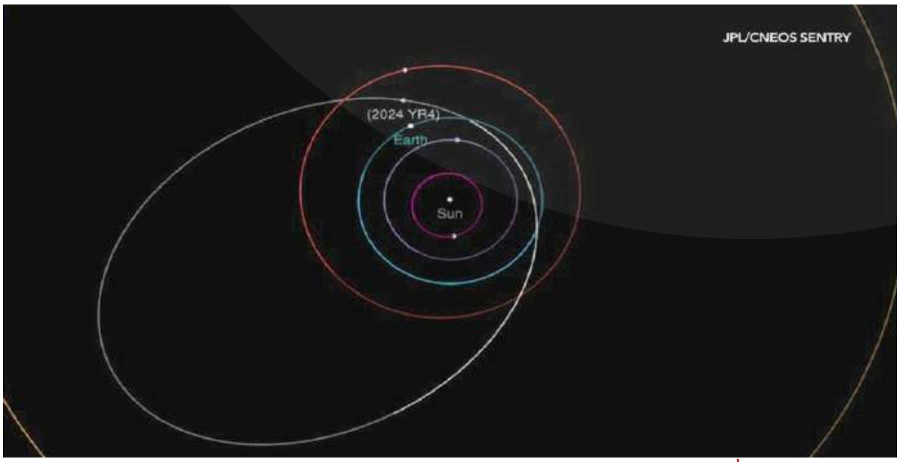

2024 YR4 क्षुद्रग्रह से संभावित विनाश

1. **प्रभाव की गंभीरता:**
   - **डायनासोर विलुप्ति लाने वाले क्षुद्रग्रह जितना बड़ा नहीं** है।
   - लेकिन **यदि यह किसी घनी आबादी वाले क्षेत्र से टकराता है, तो गंभीर स्थानीय विनाश कर सकता है।**
2. **टोरीनो स्केल (Torino Scale) रेटिंग:**
   - **नासा के निकट-पृथ्वी वस्तु अध्ययन केंद्र (CNEOS) ने इसे टोरीनो स्केल पर 3 का दर्जा दिया** (0 से 10 तक)।
   - इसका अर्थ **मध्यम जोखिम** है, हालांकि भविष्य के अवलोकनों से इसे कम या ज्यादा किया जा सकता है।
   - **टोरीनो स्केल:**
     - 0 = कोई खतरा नहीं
     - 10 = वैश्विक स्तर पर विनाशकारी प्रभाव
   - **तुलना: एस्टेरॉयड अपोफिस (Apophis) को शुरू में 4 रेटिंग मिली थी, लेकिन बाद में इसे घटा दिया गया।**
3. **ऊर्जा उत्सर्जन और प्रभाव तुलना:**

2024 YR4 के टकराने पर 8 से 10 मेगाटन ऊर्जा रिलीज़ होने का अनुमान।

तुलना:

- 2013 का **चेल्याबिंस्क उल्का** (Chelyabinsk Meteor) → **500 किलोटन ऊर्जा रिलीज़।**
- 1,**500 से अधिक लोग घायल** हुए, हजारों इमारतें क्षतिग्रस्त।
- **2024 YR4 इसका लगभग दोगुना आकार** का है, जिससे इसका प्रभाव कहीं अधिक शक्तिशाली हो सकता है।

सेंटोरिनी द्वीप / Santorini Island

संदर्भ:

यूनानी द्वीप **अमोर्गोस और सैंटोरिनी** के बीच एक शक्तिशाली **भूकंप दर्ज** किया गया है

सेंटोरिनी द्वीप के बारे में:

1. **स्थान:**
   - **सेंटोरिनी (या थेरा)** दक्षिण-पूर्वी ग्रीस में **एजियन सागर के दक्षिणी भाग में स्थित ज्वालामुखीय द्वीप** है।
   - यह **साइक्लेड्स (Cyclades) द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी द्वीप** है।
2. **भौगोलिक स्थिति:**
   - **ग्रीस** की मुख्य भूमि से 128 समुद्री मील दक्षिण-पूर्व।
   - क्रेते (ग्रीस का सबसे बड़ा द्वीप) से 63 समुद्री मील उत्तर में।
3. **ज्वालामुखीय विशेषताएँ:**
   - यह **एक फटा हुआ ज्वालामुखीय द्वीप है**, जो दक्षिण एजियन ज्वालामुखीय चाप (South Aegean Volcanic Arc) का सबसे सक्रिय केंद्र है।
   - **ग्रीस और यूरोप में कुछ सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक।**
4. **मुख्य आकर्षण:**
   - समुद्र से भरी **ज्वालामुखीय काल्डेरा**, जो तीन तरफ ऊँची और रंगीन चट्टानों से घिरी हुई है।
   - सफेद रंग के घर, गहरे नीले समुद्र, अद्भुत सूर्यास्त और प्राचीन थिरा (Thira) बस्ती के लिए प्रसिद्ध

भूकंप क्या है?

- **परिभाषा:** भूकंप पृथ्वी की सतह का अचानक हिलना है, जो ऊर्जा के मुक्त होने से होता है।
- **मुख्य बिंदु:**
  - **फोकस (Hypocentre):** जहाँ भूकंप उत्पन्न होता है।
  - **एपिसेंटर (Epicentre):** फोकस के सबसे नजदीक सतह पर स्थित बिंदु, जहाँ झटके पहले महसूस होते हैं।
  - मीडिया में भूकंप का स्थान आमतौर पर एपिसेंटर के रूप में दिखाया जाता है।

भूकंप के कारण:

1. प्राकृतिक कारण (Natural Causes):

टेक्टोनिक भूकंप (Tectonic Earthquakes):

- पृथ्वी की ऊपरी परत (Crust) में **लिथोस्फेरिक प्लेटों की हलचल** से उत्पन्न होते हैं।
- **प्लेट सीमाओं (Plate Boundaries) पर तनाव मुक्त होने से भूकंप आते हैं।**
- **"रिंग ऑफ फायर" क्षेत्र में भूकंप की आवृत्ति सबसे अधिक।**

ज्वालामुखीय भूकंप (Volcanic Earthquakes):

- ज्वालामुखी के पास **मैग्मा के दबाव परिवर्तन और विस्फोट के कारण उत्पन्न होते हैं।**
- ये आमतौर पर **कम तीव्रता के होते हैं और सतह के पास महसूस किए जाते हैं।**

2. मानव-जनित कारण (Anthropogenic Causes - Induced Seismicity):

- **खनन (Mining):** गहरी खदानों की छत गिरने से हल्के झटके महसूस होते हैं।
- **विस्फोट (Explosion Earthquakes):** रासायनिक या परमाणु विस्फोट से कृत्रिम भूकंप उत्पन्न हो सकते हैं।
- **जलाशय-प्रेरित भूकंप (Reservoir-Induced Seismicity):**बड़े जलाशयों और बांधों के निर्माण से भूगर्भीय दबाव में परिवर्तन।

भीख मांगने पर प्रतिबंध / Ban on Begging

संदर्भ:

साल 2025 की शुरुआत में, मध्य प्रदेश के इंदौर और भोपाल जिलों के कलेक्टरों ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 के तहत भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

धारा 163 (BNSS, 2023) के तहत आदेश:

- **जिला मजिस्ट्रेट, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट, और कार्यकारी मजिस्ट्रेट** को किसी क्षेत्र में **शांति व्यवस्था बनाए रखने** और **संभावित खतरे को रोकने** के लिए **तत्काल आदेश** जारी करने का अधिकार है।
- ये आदेश किसी **व्यक्ति या समूह** पर लागू किए जा सकते हैं।

आदेश की अवहेलना पर दंड (भारतीय न्याय संहिता - BNS, 2023 की धारा 223 के तहत):

यदि कोई व्यक्ति इन आदेशों का पालन नहीं करता है, तो उसे **निम्न दंड** का सामना करना पड़ सकता है:

- **छह महीने तक की जेल, ₹2,500 तक का जुर्माना**, या दोनों।
- यदि उल्लंघन से **किसी की जान, स्वास्थ्य या सुरक्षा को खतरा** होता है, तो सजा बढ़ सकती है:
  - **एक वर्ष तक की जेल**
  - **₹5,000 तक का जुर्माना**

आदेश की अवधि और विस्तार:

- ये आदेश **अधिकतम 2 महीने** तक प्रभावी रह सकते हैं।
- यदि आवश्यक हो, तो **राज्य सरकार** इसे **अधिकतम 6 महीने** तक बढ़ा सकती है।
- यदि स्थिति बनी रहती है, तो नए आदेश जारी कर इन्हें **पुन: लागू** किया जा सकता है, ठीक वैसे ही जैसे **CrPC की धारा 144** के तहत किया जाता है।

भीख मांगने और बेघर लोगों से संबंधित मुद्दे:

जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में **4.13 लाख भिखारी और आवारा व्यक्ति** हैं।

प्रमुख घटनाओं से पहले भिक्षावृत्ति पर कार्रवाई

- **2017**: हैदराबाद में **ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट** से पहले भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध लगाया गया।
- **2010**: दिल्ली में **राष्ट्रमंडल खेलों** से पहले भिखारियों को हटाया गया।

विवाद और आलोचना:

- ऐसी कार्रवाइयों को यह कहकर **आलोचना** मिली है कि वे **सबसे कमजोर वर्गों** को निशाना बनाती हैं।
- सरकारें **मूल कारणों** जैसे **गरीबी, बेरोजगारी, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और सामाजिक बहिष्करण** को दूर करने के बजाय **अस्थायी उपाय** अपनाती हैं।
- भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध से प्रभावित लोगों के लिए **वैकल्पिक पुनर्वास उपायों** की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

भीख मांगने के प्रमुख कारण:

1. **आर्थिक कारण** – गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और आय के साधनों की कमी।
2. **सामाजिक कारण** – अशिक्षा, भेदभाव, अनाथ और बेसहारा लोग।
3. **स्वास्थ्य कारण** – विकलांगता, मानसिक रोग, नशे की लत।
4. **प्राकृतिक आपदाएं** – बाढ़, भूकंप, विस्थापन के कारण रोज़गार छिन जाना।
5. **संगठित रैकेट** – माफिया गिरोह द्वारा बच्चों और असहाय लोगों का शोषण।

भिक्षावृत्ति के खिलाफ कानून:

बॉम्बे भिक्षावृत्ति निवारण अधिनियम, 1959

- यह भारत में भिक्षावृत्ति रोकने के लिए बनाया गया **पहला कानून** था।
- इस कानून का उद्देश्य **सड़कों को भिखारियों, कुष्ठ रोगियों और मानसिक रोगियों से मुक्त रखना** था, जिससे उन्हें विशेष संस्थानों में भेजा जा सके।
- **धारा 10** के तहत, मुख्य आयुक्त को **असाध्य रूप से असहाय भिखारियों** को **अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखने** का अधिकार प्राप्त था।
- **दंड प्रावधान**: भिखारियों को **अधिकतम 10 वर्षों** तक संस्थानों में हिरासत में रखा जा सकता था।

कानूनी प्रभाव और आलोचना

- इस कानून ने पुलिस को यह अधिकार दिया कि वे **बिना वारंट** ऐसे व्यक्तियों को गिरफ्तार कर सकती थी, जिनके पास **जीविका के स्पष्ट साधन नहीं** थे।
- आज भी **मुंबई जैसे शहरों में भिखारियों को हिरासत में लेने के लिए केंद्र मौजूद हैं**।

संवैधानिक उल्लंघन

- यह अधिनियम **संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) और 21** का उल्लंघन करता है, जो **व्यक्तिगत स्वतंत्रता और जीवन के अधिकार** की सुरक्षा करता है।
- संविधान के अनुच्छेद **38** के अनुसार, **राज्य की जिम्मेदारी** है कि वह **विकलांग और बेरोजगार व्यक्तियों के पुनर्वास** के लिए कदम उठाए।

एकुवेरिन सैन्य अभ्यास / Ekuverin military exercise

संदर्भ:

भारतीय सेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास **'एकुवेरिन'** का **13वां संस्करण** शुरू हो गया है।

एकुवेरिन (Ekuverin):

- **शब्द अर्थ:** 'एकुवेरिन' **धिवेही भाषा** का शब्द है, जिसका अर्थ **'मित्र' या 'दोस्त'** होता है।
- **भाषाई क्षेत्र:** धिवेही भाषा **भारत (लक्षद्वीप) और मालदीव** में बोली जाती है।
- **महत्व:** यह अभ्यास **भारत और मालदीव के बीच मित्रता और सहयोग की भावना को दर्शाता है।**

एकुवेरिन सैन्य अभ्यास: पृष्ठभूमि

शुरुआत:

- **2009 में प्रारंभ**, भारत और मालदीव के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से।
- **भारतीय सेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (MNDF)** इसमें भाग लेते हैं।

प्रमुख उद्देश्य:

- **आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी** अभियानों में सहयोग और समन्वय को बढ़ाना।
- अर्ध-शहरी और शहरी क्षेत्रों में संयुक्त सैन्य संचालन का अभ्यास।

आयोजन स्थान: **प्रत्येक वर्ष भारत और मालदीव में बारी-बारी से आयोजित।**

एकुवेरिन अभ्यास का महत्व:

एकुवेरिन अभ्यास भारत और मालदीव के बीच **सैन्य क्षमताओं और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने** में अहम भूमिका निभाता है। यह **आपसी विश्वास बढ़ाने** और **आंचलिक सुरक्षा चुनौतियों का संयुक्त रूप से सामना करने** में मदद करता है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहती है।

प्रमुख लाभ:

- **बेहतर सामंजस्य** – दोनों सेनाओं के बीच **संचालनात्मक तालमेल** में वृद्धि।
- **मजबूत द्विपक्षीय संबंध** – सैन्य और रणनीतिक साझेदारी को मजबूती।
- **क्षेत्रीय स्थिरता** – **आतंकवाद और समुद्री लुटेरों** जैसी सुरक्षा चिंताओं का समाधान।
- **क्षमता निर्माण** – सामरिक कौशल (Tactical Skills) में सुधार के लिए **संयुक्त प्रशिक्षण**।
- **आपदा प्रतिक्रिया** – प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की **संयुक्त तैयारियों** में सुधार।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान** – सैनिकों के बीच **आपसी समझ और सम्मान** को बढ़ावा।

भारत के लिए मालदीव का महत्व:

1. **भूराजनीतिक:** मालदीव भारत की **पड़ोसी पहले नीति (NFP)** और **सागर (क्षेत्र में सुरक्षा और समृद्धि के लिए)** का एक अहम स्तंभ है, इसकी भौगोलिक स्थिति के कारण।
2. **रणनीतिक महत्व:**
   - मालदीव पश्चिमी भारतीय महासागर के महत्वपूर्ण जलसंधियों (गुल्फ ऑफ एडन और होर्मुज जलसंधि) और पूर्वी भारतीय महासागर के जलसंधि (मलक्का जलसंधि) के बीच एक 'टोल गेट' की तरह स्थित है।
   - यह भारतीय महासागर के प्रमुख नौवहन मार्गों पर स्थित है, जो भारत के **नेविगेशन की स्वतंत्रता, क्षेत्रीय सुरक्षा** और **स्थिरता** को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।
3. **भू-आर्थिक:**
   - मालदीव प्रमुख **वाणिज्यिक समुद्री मार्गों (SLOCs)** के साथ स्थित है।
   - भारत का लगभग 50% बाहरी व्यापार और 80% ऊर्जा आयात इन SLOCs के जरिए मालदीव के पास से गुजरते हैं। इसके अलावा, भारत 2023 में मालदीव का **सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** बनकर **$1 बिलियन** के आस-पास व्यापार किया।
4. **सुरक्षा:**
   - मालदीव के साथ मजबूत संबंध भारत को भारतीय महासागर क्षेत्र (IOR) में चीन की महत्वाकांक्षी **'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स'** की रणनीति का मुकाबला करने में मदद करेगा।
   - मालदीव भारत के लिए **आतंकवाद, समुद्री लूटमारी, मादक पदार्थों की तस्करी** जैसी समस्याओं से निपटने में पहली सुरक्षा पंक्ति का काम करता है।
5. **प्रवासी और पर्यटन:**
   - भारतीय प्रवासी समुदाय मालदीव में कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, विशेषकर **स्वास्थ्य** और **शिक्षा** जैसे क्षेत्रों में।
   - मालदीव भारतीयों के लिए एक **लोकप्रिय पर्यटन स्थल** है, जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाता है और लोगों के बीच रिश्तों को मजबूत करता है।

राजस्थान अवैध धर्म परिवर्तन निषेध विधेयक, 2025 / Rajasthan Prohibition of Illegal Religious Conversion Bill, 2025

संदर्भ:

राजस्थान सरकार ने जबरदस्ती, धोखाधड़ी या प्रलोभन के जरिए धर्म परिवर्तन रोकने के लिए **अवैध धर्म परिवर्तन निषेध विधेयक, 2025** पेश किया है।

धार्मिक परिवर्तन:

1. परिभाषा:

- किसी व्यक्ति द्वारा **एक विशेष धार्मिक संप्रदाय को अपनाना और अन्य को त्यागना**।
- यह **धार्मिक पहचान में परिवर्तन** को दर्शाता है।

2. धार्मिक परिवर्तन की प्रक्रिया:

- **एक संप्रदाय को छोड़कर दूसरे को अपनाना**।
- कई मामलों में, यह **विशेष अनुष्ठानों (रिवाजों)** द्वारा चिह्नित किया जाता है।

धार्मिक परिवर्तन **व्यक्ति की आस्था और पहचान में बदलाव** को दर्शाता है और कई बार यह धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से आधिकारिक रूप से स्वीकार किया जाता है।

राजस्थान का धर्म परिवर्तन विरोधी विधेयक:

1. पृष्ठभूमि:

- **2006**: राजस्थान में पहली बार **धर्मांतरण विरोधी कानून** लाने का प्रयास हुआ, लेकिन राष्ट्रपति द्वारा इसे वापस कर दिया गया।
- **2017**: राजस्थान हाईकोर्ट ने **बलपूर्वक धर्मांतरण रोकने** के लिए दिशानिर्देश जारी किए।
- **2024**: नया विधेयक मध्य प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों के **धर्मांतरण विरोधी कानूनों** की तर्ज पर तैयार किया गया है।

2. प्रमुख प्रावधान:

अवैध धर्मांतरण:

- **बल**, **प्रलोभन** (नकद, लाभ आदि), **धोखाधड़ी**, या **दबाव** के माध्यम से धर्म परिवर्तन को अवैध माना जाएगा।
- आरोपी को यह साबित करना होगा कि धर्मांतरण **गैरकानूनी तरीके से नहीं हुआ**।

FIR दर्ज करने का अधिकार: पीड़ित के **माता-पिता, भाई-बहन या अन्य निकट संबंधी** शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

3. दंड और सजा

- **सामान्य अवैध धर्मांतरण**: **1 से 5 साल की जेल**, ₹15,000 जुर्माना।
- **नाबालिग, महिला या SC/ST का धर्मांतरण**: **2 से 10 साल की जेल**, ₹25,000 जुर्माना।
- **सामूहिक धर्मांतरण**: **3 से 10 साल की जेल**, ₹50,000 जुर्माना।
- **दोहरे अपराधियों** के लिए **सजा दोगुनी** होगी।
- **सभी अपराध संज्ञेय (Cognizable) और गैर-जमानती (Non-bailable) होंगे**।

4. स्वैच्छिक धर्मांतरण की प्रक्रिया

- धर्म बदलने वाले व्यक्ति को **60 दिन पहले** जिला मजिस्ट्रेट (DM) को **घोषणा पत्र** सौंपना होगा।
- धर्म परिवर्तन समारोह से **1 माह पहले DM को सूचना** देनी होगी।
- समारोह कराने वाले व्यक्ति को भी **30 दिन पहले DM को सूचित** करना होगा।
- **DM द्वारा जांच की जाएगी** कि धर्म परिवर्तन की मंशा और उद्देश्य क्या है।
- धर्म परिवर्तन के बाद **व्यक्ति की पहचान, पूर्व और वर्तमान धर्म संबंधी जानकारी** DM के पास दर्ज करनी होगी।
- **घोषणा के 21 दिनों के भीतर व्यक्ति को DM के सामने पेश होकर सत्यापन कराना होगा।**

राजस्थान का धर्मांतरण विरोधी विधेयक और अन्य राज्यों की स्थिति:

यदि यह विधेयक पारित हो जाता है, तो राजस्थान उन 12 राज्यों में शामिल हो जाएगा जहां धर्मांतरण विरोधी कानून लागू है।

विशेषताएँ:

- इन राज्यों में धर्मांतरण **बल, धोखाधड़ी, लालच, या दबाव** से करवाने पर **कानूनी प्रतिबंध** है।
- राजस्थान भी इस सूची में शामिल होकर **सख्त कानून और दंड प्रावधानों** को लागू करने वाला राज्य बन जाएगा।

अमेरिका ने UNHRC से हटने की घोषणा की / USA announced its withdrawal from UNHRC

संदर्भ:

हाल ही में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC)** से देश के हटने की पुष्टि की गई और **संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA)** के लिए धनराशि निलंबित रखने का निर्णय बरकरार रखा गया।

यू.एस. का अंतर्राष्ट्रीय मंचों से वापसी:

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC):

- **वापसी का कारण:**
  - **इज़राइल के खिलाफ पुरानी पक्षपाती नीति** और **मानवाधिकार की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान नहीं देना**।
  - ट्रम्प प्रशासन की **'अमेरिका फर्स्ट' नीति** का हिस्सा, जो अंतर्राष्ट्रीय समझौतों और संगठनों से पीछे हटने का संकेत देती है।
  - UNHRC पर आरोप कि यह **मध्य पूर्व में एकमात्र लोकतंत्र** इज़राइल को **नफरत से प्रेरित और निंदित** करता है और **एंटी-सेमिटिज़्म को बढ़ावा देता है**।
- **वित्तीय प्रतिबंध:**
  - **UNRWA (United Nations Relief and Works Agency)** को **फंडिंग से रोकना**, जो लाखों फिलिस्तीनियों को सहायता प्रदान करती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO):

- **वापसी का कारण:**
  - **COVID-19 महामारी से निपटने में WHO का कुप्रबंधन** और **चीन के प्रति पक्षपाती दृष्टिकोण**।
  - यू.एस. ने यह तर्क दिया कि WHO को अपने **सदस्यों की बेहतर सेवा** के लिए **सुधार की आवश्यकता है**।
- **आर्थिक प्रभाव:**
  - **WHO को 130 मिलियन डॉलर** का वार्षिक फंड का नुकसान हो सकता है, जिससे **वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया** प्रभावित हो सकती है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC):

स्थापना और उद्देश्य:

- **स्थापना:** UNHRC की स्थापना **2006** में **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा की गई थी।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **विश्वभर में सभी मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और उनकी सुरक्षा करना** है।

सदस्यता:

- UNHRC में **47 सदस्य राष्ट्र** होते हैं, जिन्हें **संयुक्त राष्ट्र महासभा** के **193 सदस्य देशों** में से **प्रत्यक्ष और व्यक्तिगत रूप से चुनाव** द्वारा चुना जाता है।
- **चुनाव** हर साल होते हैं।

भारत की भागीदारी: भारत को UNHRC में **2011-2014**, **2014-2017**, **2019-2021** और **2022-2024** के कार्यकालों में चुना गया है।

पिछला संगठन: UNHRC ने **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग** (United Nations Commission on Human Rights) को प्रतिस्थापित किया।

सचिवालय: **मानवाधिकार परिषद** का सचिवालय **मानवाधिकार के उच्चायुक्त का कार्यालय** (OHCHR) है।

संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (UNRWA):

स्थापना और उद्देश्य:

- **स्थापना**: UNRWA की स्थापना **1949** में हुई थी और यह **1 मई 1950** से कार्यात्मक हो गई।
- **उद्देश्य**: इसे एक अस्थायी एजेंसी के रूप में स्थापित किया गया था, ताकि **पैलेस्टाइन शरणार्थियों** के लिए एक न्यायपूर्ण और स्थायी समाधान मिलने तक राहत और सेवाएं प्रदान की जा सकें।

विस्तार:

- UNRWA का **मंडेट** एक वर्ष के भीतर समाप्त होने का था, लेकिन **70 वर्षों** के बाद भी यह एजेंसी **पैलेस्टाइन शरणार्थियों** को **आवश्यक सेवाएं** प्रदान कर रही है।

104 भारतीयों को अमेरिका से वापस भेजा गया / 104 Indians deported from America

संदर्भ:

अमेरिकी सैन्य C-17 विमान के माध्यम से **104 निर्वासित भारतीय नागरिकों** को भारत भेजा गया, जिनमें हरियाणा, गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग शामिल थे।

अमेरिका में अवैध आव्रजन / illegal immigration in america:

डीपोर्टेशन और प्रवर्तन अभियान:

- **इमिग्रेशन और कस्टम्स इंफोर्समेंट (ICE)** के तहत, **डीपोर्टेशन अभियान** को तेज़ किया गया है, जिसका उद्देश्य उन व्यक्तियों की पहचान करना, हिरासत में लेना और उन्हें **अवैध रूप से यू.एस. में प्रवेश करने** के बाद देश से बाहर करना है।

बड़ी मात्रा में अवैध प्रवास:

- कई भारतीय नागरिक, विशेष रूप से **गुजरात, पंजाब और हरियाणा** से, आर्थिक कठिनाइयों और **रोज़गार संकट** के कारण **मैक्सिको और कनाडा के रास्ते अवैध रूप से यू.एस. में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं**।
- यह प्रवृत्ति **अवैध प्रवास** को बढ़ावा देती है और **अमेरिकी सरकार के लिए एक चुनौती** बन गई है।

अमेरिका में भारतीय अवैध प्रवासी:

अवैध प्रवासी आंकड़े:

- **ICE डेटा** के मुताबिक, **अमेरिका में 17,940 भारतीय अवैध प्रवासी** हैं।
- इन लोगों को **अवैध तरीके से अमेरिका में प्रवेश** करने के लिए **जेल में नहीं डाला गया**, बल्कि वे **कागजी कार्रवाई की लंबी प्रक्रिया** में फंस गए हैं।

कागजी प्रक्रिया में देरी:

- रिपोर्ट्स के मुताबिक, **इस प्रक्रिया को पूरा करने में 3 साल** तक का समय लग सकता है।

H-1B वीजा और भारतीय नागरिक:

- **2023** में **3,86,000 लोगों** को **H-1B वीजा** दिया गया, जिनमें से **लगभग तीन-चौथाई भारतीय नागरिक** थे।

अमेरिका में सबसे ज्यादा अवैध प्रवासी:

1. **मैक्सिको** – 41 लाख
2. **एल साल्वाडोर** – 8 लाख
3. **भारत** – 7.25 लाख
4. **ग्वाटेमाला** – 7 लाख
5. **होंडुरास** – 5.5 लाख

अमेरिका पर अवैध आप्रवासन प्रवर्तन का प्रभाव:

1. श्रमिक बाजार में विघटन:

- **डीपोर्टेशन** के परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों में **श्रमिकों की कमी** हो सकती है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जो **आप्रवासी श्रमिकों** पर निर्भर हैं, जैसे **निर्माण** और **अतिथि सेवाएं**।
  - उदाहरण: **भारतीय श्रमिकों** का **आईटी और सेवा उद्योगों** में महत्वपूर्ण योगदान है, और उनके **डीपोर्टेशन से इन क्षेत्रों में श्रमिक संकट** उत्पन्न हो सकता है।

2. कूटनीतिक तनाव:

- **बड़ी संख्या में डीपोर्टेशन** से **अमेरिका-भारत संबंधों** में तनाव उत्पन्न हो सकता है, खासकर यदि इसे **संवेदनशीलता से नहीं संभाला गया**।
  - उदाहरण: **डीपोर्टेशन के लिए सैन्य विमानों** का इस्तेमाल करने से देशों जैसे **कोलंबिया** ने विरोध जताया था, जिससे **अंतरराष्ट्रीय कूटनीति** प्रभावित हुई।

भारत की कूटनीतिक प्रतिक्रिया और चिंताएँ:

भारत का प्रवास नीति पर दृष्टिकोण:

- भारत ने अवैध प्रवासी भारतीयों को स्वीकार करने के लिए सहमति दी, बशर्ते **राष्ट्रीयता की सत्यापन प्रक्रिया** पूरी हो।
- **विदेश मंत्री एस. जयशंकर** ने अमेरिका के **सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो** से भारत की स्थिति साझा की।

अवैध प्रवासन पर भारत की स्थिति: भारत **अवैध प्रवासन के खिलाफ है**, क्योंकि इससे **संगठित अपराध** और **मानव तस्करी** जैसी समस्याएँ जुड़ी होती हैं।

कानूनी प्रवासन मार्ग सुनिश्चित करना:

- **2024 में 1 मिलियन से अधिक वीजा** भारतीय नागरिकों को जारी किए गए, जिसमें **विद्यार्थी और व्यापार वीजा** की रिकॉर्ड संख्या थी।
- **H-1B वीजा** के पिछले वित्तीय वर्ष में जारी 72% वीजा भारतीय पेशेवरों को मिले।
- **डोनाल्ड ट्रंप** ने **H-1B वीजा कार्यक्रम** जारी रखने का आश्वासन दिया है, हालांकि इसमें कुछ सुधार हो सकते हैं।

राजकोषीय घाटे से ऋण-जीडीपी अनुपात की ओर बदलाव / Shift from Fiscal Deficit to Debt-to-GDP Ratio

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने **वित्त वर्ष 2026-27** से **ऋण-जीडीपी अनुपात** को प्रमुख वित्तीय मानक बनाने की घोषणा की है।

ऋण-से-GDP अनुपात:

परिभाषा:

- **ऋण-से-GDP अनुपात** एक आर्थिक संकेतक है, जो एक देश के **कुल ऋण** (भूतकाल और वर्तमान ऋण सहित) को **उसकी सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** से तुलना करता है।
- इसे प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि **ऋण चुकाने में कितने साल लग सकते हैं** यदि GDP को पूरी तरह से ऋण सेवा पर खर्च किया जाए।

इसका संकेत:

- यह **ऋण के स्तर** को अर्थव्यवस्था के आकार से तुलना करता है।
- यह एक देश की **ऋण चुकाने की क्षमता** को **आर्थिक प्रदर्शन** के आधार पर मापता है।

भारत का ऋण-से-GDP अनुपात:

- **2024-25 में केंद्रीय सरकार का ऋण-से-GDP अनुपात 57.1%** और **2025-26 में 56.1%** के अनुमानित हैं।
- सरकार का लक्ष्य **2031 तक इस अनुपात को 50±1 प्रतिशत** तक घटाने का है।

ऋण-से-GDP अनुपात में बदलाव के पीछे का तर्क:

1. बढ़ी हुई पारदर्शिता और लचीलापन:

- **कठोर वार्षिक राजकोषीय घाटे के लक्ष्यों** के बजाय, **ऋण-से-GDP अनुपात आर्थिक स्वास्थ्य** का एक व्यापक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण प्रदान करता है।
- यह दृष्टिकोण सरकारों को अपनी वित्तीय स्थिति को बेहतर तरीके से समझने और प्रबंधित करने का अवसर देता है।

2. वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप:

- कई **विकसित अर्थव्यवस्थाएँ वार्षिक घाटे के लक्ष्यों** के बजाय **ऋण स्थिरता** को प्राथमिकता देती हैं, ताकि **राजकोषीय नीतियाँ बदलती आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार लचीली** बनी रहें।
- यह **वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं** से मेल खाता है, जो दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता की दिशा में मदद करता है।

3. बेहतर राजकोषीय प्रबंधन:

- यह दृष्टिकोण सरकारों को **वित्तीय बफर** को फिर से निर्माण करने और **विकास-प्रेरित खर्चों** के लिए संसाधनों का कुशलतापूर्वक आवंटन करने का अवसर देता है।
- इससे **राजकोषीय संकट** की संभावना कम होती है, और **संतुलित आर्थिक विकास** संभव होता है।

4. ऑफ-बजट उधारी का खुलासा:

- नया दृष्टिकोण **सरकारी उधारी** में **स्पष्टता और पारदर्शिता** लाने का प्रयास करता है, और **पूर्व के राजकोषीय अस्पष्टता** की समस्याओं को संबोधित करता है।
- इससे **पारदर्शिता** बढ़ती है और **सरकारी वित्तीय गतिविधियों** के बारे में अधिक जानकारी मिलती है।

ऋण-से-GDP अनुपात की सीमाएँ:

1. ऋण संरचना की अनदेखी:

- **ऋण-से-GDP अनुपात** में **आंतरिक (घरेलू) और बाहरी (विदेशी) ऋण** के बीच भेद नहीं किया जाता है।
- यह सरकार के **ऋण प्रबंधन** और **वित्तीय जोखिम** की सही तस्वीर नहीं देता है, क्योंकि विदेशी ऋण की चुकौती में **विभिन्न जोखिम** हो सकते हैं।

2. राजकोषीय नीति की दक्षता को नहीं दर्शाता:

- यह अनुपात यह नहीं दर्शाता कि सरकार का **खर्च उत्पादक** है या **विषाक्त**।
- केवल **ऋण स्तर** के आधार पर सरकार के खर्च की **प्रभावशीलता** का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।

3. डिफॉल्ट जोखिम के साथ कोई प्रत्यक्ष सहसंबंध नहीं:

- कुछ **उच्च ऋण वाले देश सशक्त आर्थिक मूलभूत बातों** की वजह से **संपन्न** बने रहते हैं, जबकि उनका **ऋण-से-GDP अनुपात** ऊंचा होता है।
- इसका मतलब है कि यह अनुपात **डिफॉल्ट जोखिम** के बारे में पूरी जानकारी नहीं देता, क्योंकि मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों में उच्च ऋण स्तर के बावजूद **ऋण चुकाने की क्षमता** बनी रहती है।

गोल्डन-हेडेड सिस्टीकोला / Golden-headed Cisticola

संदर्भ:

पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार, दक्षिणी पश्चिमी घाट में **गोल्डन-हेडेड सिस्टिकोला** की हाल ही में हुई खोज लंबे अंतराल के बाद पहली बार दर्ज की गई है।

गोल्डन-हेडेड सिस्टिकोला (Cisticola exilis):

सामान्य जानकारी:

- **अन्य नाम**: ब्राइट-कैप्ड सिस्टिकोला
- **वैज्ञानिक परिवार**: Cisticolidae (वारब्लर्स परिवार)
- **आहार**: सर्वाहारी, मुख्य रूप से कीटों और छोटे स्लग्स पर निर्भर, लेकिन घास के बीज भी खाते हैं।
- **आवास**: सामान्यत: **पर्वतीय घासभूमियों** में पाए जाते हैं।
- **वैश्विक वितरण**: ऑस्ट्रेलिया और विभिन्न एशियाई देशों में पाए जाते हैं।
- **भारत में वितरण**: पहले **कर्नाटका, तमिलनाडु** और **उत्तर केरल** में देखे गए थे।

शारीरिक लक्षण:

- **प्रजनन काल के नर**: उनके सिर, गर्दन और छाती पर **सुनहरे-नारंगी रंग** के पंख होते हैं।
- **चोंच और निशान**: हल्की गुलाबी चोंच और पीठ पर काले धब्बे होते हैं।
- **पहचान**: इनकी विशेष आवाज़ से आसानी से पहचाने जा सकते हैं।

पहले के अवलोकन:

- यह पक्षी **वायनाड, केरल** के **बानासुरा पहाड़ियों** की घासभूमियों में पहले देखा गया था।

IUCN स्थिति:

- **कम चिंता** (Least Concern)

गोल्डन-हेडेड सिस्टिकोला एक आकर्षक और विशिष्ट पक्षी है, जो विशेष रूप से **घासभूमि आवासों** में पाया जाता है और इसकी आवाज़ से आसानी से पहचाना जा सकता है।

माथिकेट्टन शोला नेशनल पार्क:

स्थान:

- यह **केरल के पश्चिमी घाटों** के **पलक्कड़ गैप** के दक्षिणी भाग में स्थित है।

वनस्पति: पार्क में **हरे-भरे जंगल, आर्द्र पतझड़ वाले जंगल, शोला घासभूमियाँ** और **अर्ध-हरे जंगल** पाये जाते हैं।

नदियाँ और जल स्रोत

- पार्क में **तीन नदियाँ** बहती हैं:
  - **उचिल्कुथी पुज़ा**,
  - **माथिकेट्टन पुज़ा**,
  - **नंदार** (जो **पन्नियार नदी** की सहायक नदियाँ हैं)।
- इन नदियों का स्रोत **माथिकेट्टन पहाड़ियों** से होता है।

उच्चतम बिंदु: कट्टुमाला पार्क के **पूर्वी सीमा** पर स्थित है, जो **तमिलनाडु** से सटा हुआ है।

स्थानीय जनजातियाँ: मुथवन जनजातियाँ पार्क के **उत्तर-पूर्वी सीमा** के आसपास बसी हुई हैं।

माथिकेट्टन शोला नेशनल पार्क **प्राकृतिक सुंदरता** और **जैव विविधता** के लिए प्रसिद्ध है, जो इस क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

माथिकेट्टन शोला नेशनल पार्क का महत्व:

1. कार्डमम हिल रिजर्व का अंतिम अवशेष: यह पार्क **कार्डमम हिल रिजर्व** के मूल जंगलों का **अंतिम अवशेष** है, जो क्षेत्रीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

2. कार्डमम हिल रिजर्व: कार्डमम हिल रिजर्व एक **विशिष्ट क्षेत्र** है, जो **इडुक्की** के **दक्षिणी और उत्तरी पश्चिमी घाटों** के बीच स्थित है। यह क्षेत्र अद्वितीय जैव विविधता और वनस्पति का घर है।

3. आपस में जुड़े हुए रिजर्व: यह पार्क **एराविकुलम नेशनल पार्क** और **पम्पदाम शोला नेशनल पार्क** के बीच स्थित है, जो इन रिजर्वों को पारिस्थितिकीय रूप से जोड़ता है।

4. अंतर-राज्य सीमा: पार्क की सीमा **केरल** और **तमिलनाडु** से जुड़ी हुई है, जिससे यह दोनों राज्यों के प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण बनता है।

5. स्थानीय जनजातियाँ: मुथवन जनजाति इस पार्क के **उत्तर-पूर्वी सीमा** के आसपास निवास करती है, और उनकी पारंपरिक जीवनशैली इस क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
299/- YEAR
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO
(TEST SERIES)
ONLY 299/- YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC
(TEST SERIES)
ONLY 299 YEAR
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)
ONLY 99/- YEAR
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit
AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE
FOUNDATION BATCH
FOR ALL
POLITY
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Rs
4999/-
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

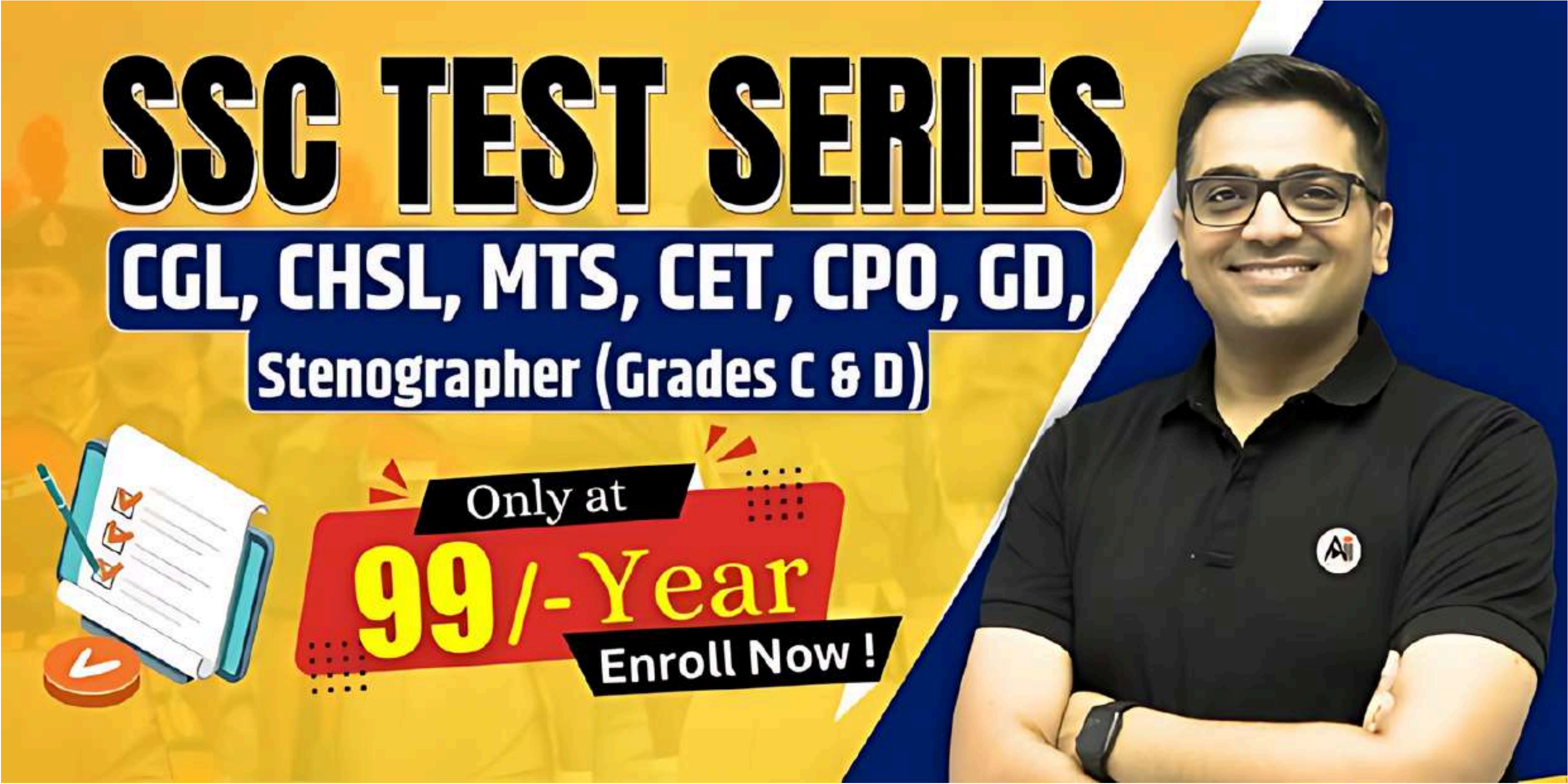
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !